

कांशास पर ह। अतः पत्रावली गानक
कार्यवाही हेतु दिनांक... १-१०-२५... कं
पेश हो।

Sal

8-10-24

पत्रावली पेश हुई। प्राविगण अधिवक्ता उपस्थित
पत्रों व अणवों सं। व २ स्वरूप उपस्थित। प्राविगण
अधिवक्ता ने अवगत कराया कि प्राविगण प्राविना फ
को अणव-वहाना नहीं चाहते हैं। प्राविगण अधिवक्ता
ने प्राविना फ नोट प्रेस किया साथ ही टैट आदेशिका
पर हस्ताक्षर कराये गए। प्राविना फ नोट प्रेस
किए जाने से प्राविना फ खारिज किया जाता है।
प्रकरण ६७ नम्बर से कम संकर का पत्रावली
वापसी दारिद्र्य पत्र है।

प्राविगण
मोहन
राम
जयपुर

कुहसिंह
सम्पत सिंह